

५६१४ पकावली आज किंगडोर्ट मण्डाकरा में
पेश हुई। उक्त रई खंवायेत वाड पक काकिताका
के पुरा ही उठपक बावत आस्थाई विषेद्याशा
का कोई औचित्य नही है। अतः उठपक बावत
आस्थाई विषेद्याशा की खारीज दिया जाता है।
पकावली कैमल अमार होकर गच्छर सिक्क
है तथा वाखेल खण्टर हो।

उपखण्ड अधिकारी
उदयपुरवादी (सक)